

NHSRCL erects full span 40 metre box girder for Hi-speed Rail Corridor

National High Speed Rail Corporation erected First Full Span Pre-Stressed Concrete (PSC) Box Girder of 40 mtrs span in a casting yard in Navsari district, Gujarat, today, in presence of Shri Satish Agnihotri, Managing Director, NHSRCL, Shri Miyamoto Shingo, Minister (Economic & Development), Embassy of Japan in India, Shri Saito Mitsunori, Chief Representative, JICA India Office, Shri S.V. Desai, Director, L&T and Shri Rajendra Prasad, Director (Project),, NHSRCL. This 40 mtrs Full Span Box Girder weighing about 970 MT, involving 390 Cu m of concrete and 42 MT of steel was cast in a single piece i.e. without any construction joint.



The girder consists of 390 cubic metres of concrete and 42 MT of steel and has been cast in a single piece. *Express*

NHSRCL erects first 'heaviest' full span box girder weighing 970 MT

EXPRESS NEWS SERVICE
VADODARA, NOVEMBER 25

THE NATIONAL High Speed Rail Corporation (NHSRCL) on Thursday erected the first full span pre-stressed concrete (PSC) box girder of 40 metres span in a casting yard in Navsari district, weighing about 970 metric tonnes, as part of the construction of a viaduct for Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail corridor. A release from NHSRCL said the girder was also the heaviest in the construction industry in India.

The girder consists of 390 cubic metres of concrete and 42 MT of steel and was cast in a single piece, without any construction joints, on November 1 and

erected on Thursday in presence of top officials of the project from India and Japan, the release said.

"To expedite the construction of the viaduct for the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail corridor, NHSRCL is adopting full-span launching method... The precast girder was picked up from the stacking yard by the straddle carrier and moved to the predefined location from where it was lifted by the bridge gantry for erection. This is a technical procedure that requires a high level of precision and expertise. The 40 metres full span girder was then placed between the pier P11 and P12 at the chainage 238 of MAHSR corridor. The height of the piers is 13.4 metres from the ground level," it stated.

आकार लेने लगा बुलेट ट्रेन का रूट: 970 मीट्रिक टन के स्पान गर्डर में 390 घन मीटर कंक्रीट व 42 मी. टन स्टील

सूरत-नवसारी सेक्शन पर पहला और देश का सबसे भारी 40 मीटर लंबा गर्डर लॉन्च

नवसारी के पास नसीलपुर गांव में 13.4 मीटर ऊंचे पिलरों पर लॉन्च किया

ट्रंसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

देश की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी 508 किमी अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड बुलेट ट्रेन रूट का आखिरकार पहला 40 मीटर लंबा फुल स्पान गर्डर नवसारी के नजदीक नसीलपुर गांव में लॉन्च कर दिया गया। यह 238 पर पिलर पी-11 और पी-12 के बीच रखा गया। ये पिलर्स 13.4 मीटर ऊंचे हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक सतीश अग्निहोत्री, भारत में जापान के मंत्री (आर्थिक और विकास) मियामोत शिंगो, जापानी दूतावास मित्सुनोरी समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नवसारी जिले में एक कास्टिंग यार्ड में पहले फुल स्पान प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट बॉक्स गर्डर के इरेक्शन के कार्य का शुभारंभ किया गया।

यह भारत के निर्माण उद्योग में आज तक का सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर भी है

गर्डर की ये है खासियत

970 मीट्रिक टन वजन
40 मीटर फुल स्पेन लंबाई
390 घन मीटर कंक्रीट
42 मीट्रिक टन स्टील
13.4 मीटर ऊंचे पिलर पर हुआ लॉन्च



इस गर्डर में कोई जोड़ नहीं है, इसे 1 नवंबर को ढाला गया था | लगभग 970 मीट्रिक टन वजन के 40 मीटर लंबे स्पान गर्डर, जिसमें 390 घन मीटर कंक्रीट और 42 मीट्रिक टन स्टील है इसको एक टुकड़े में (यानी बिना किसी निर्माण जोड़ के) 1 नवंबर को ढाला गया था। यह भारत के निर्माण उद्योग में आज तक का सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर भी है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए वायडक्ट के निर्माण में तेजी लाने के लिए एनएचएसआरसीएल फुल स्पान लॉन्चिंग विधि अपना रहा है। प्रीकास्ट गर्डर को स्ट्रैडल कैरियर द्वारा स्टैकिंग यार्ड से उठाया गया और पूर्वनिर्धारित स्थान पर ले जाया गया।

यह है रूट | मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट (एमएचएसआर) 508 किमी लंबा है। 508 किमी में से 352 किमी गुजरात राज्य (348 किमी) और दादर और नगर हवेली (4 किमी) में स्थित है और शेष 156 किमी महाराष्ट्र राज्य में स्थित है। 352 किमी में से 343 किमी के सिविल कार्यों के लिए करार कर लिए गए हैं।

■ 30, 35 और 40 मीटर के फुल स्पेन गर्डरों की ढलाई के लिए मार्ग के साथ 23 कास्टिंग यार्ड विकसित होगा। पगुणवत्ता के साथ गर्डरों की शीघ्र ढलाई के लिए प्रत्येक कास्टिंग यार्ड में रेबार केज बनाने के लिए जिम्स, हाइड्रोलिक रूप से संचालित प्री-फैब्रिकेटेड मोल्ड्स के साथ कास्टिंग बेड आदि सुविधाएं विकसित की गई हैं।
- सुभमा गौड़, एजीएम, एनएचएसआरसीएल

બુલેટ ટ્રેન : ૧૩ મીટરના પિલર પર પહેલી ગડર મુકાઈ

। સુરત ।

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીના પ્રીમ પ્રોજેક્ટ બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી રોકેટગતિએ આગળ ધપી રહી છે. જમીન સંપાદનથી માંડીને ટ્રેક બનાવવાની કામગીરી શરૂ કરી

દેવામાં આવી છે. ત્યારે બુલેટ ટ્રેનના માર્ગની પહેલી અને ૯૭૦ મેટ્રિક ટન વજન ધરાવતી દેશની સૌથી ભારી ગડર સુરત-નવસારી સેક્શનમાં ગુરુવારે ૧૩.૪ મીટર ઊંચા પિલર પર મૂકવામાં આવી હતી.

આ સાથે જ બુલેટ ટ્રેનના ટ્રેકે આકાર લઈ લીધો છે. ૩૯૦ ધન મીટર કોંક્રિટ, ૪૨ મેટ્રિક ટન સ્ટીલના વપરાશ સાથે પહેલી નવેમ્બરના રોજ ગડરને બનાવવાની કામગીરી શરૂ કરી હતી.

બુલેટ ટ્રેનના રૂટનું કામ ઝડપી બન્યું : સુરત-નવસારી સેક્શન પર પ્રથમ અને દેશનો સૌથી ભારે 40 મીટર લાંબો ગર્ડર લોન્ચ કરાયો



42 ટન સ્ટીલનો ઉપયોગ

508 કિલોમીટર લાંબા અમદાવાદ-મુંબઈ હાઈસ્પીડ બુલેટ ટ્રેન રૂટનો પહેલો 40 મીટર લાંબો ફુલ સ્પાન ગર્ડર નવસારીના નસીલપોરમાં લોન્ચ કરાયો. જે પીલર પી-11 અને પી-12ના વચ્ચેમાં મુકવામાં આવ્યો છે. આ પીલરો 13.4 મીટર જેટલા ઉંચા છે. નેશનલ હાઈસ્પીડ રેલ કોર્પોરેશનના સતીષ અગ્નિહોત્રી, જાપાનના મિયામોત શિંગો, મિત્સુનોરીની હાજરીમાં નવસારીના એક કાસ્ટિંગ ગાર્ડમાં પ્રથમ ફુલ સ્પાન પ્રી-સ્ટ્રેસ કોંક્રિટ બોક્સ ગર્ડરના ઈરેક્શનનું કાર્ય પ્રારંભ થયો.

દેશના નિર્માણ ઉદ્યોગનું આ સૌથી ભારે પીએસસી બોક્સ ગર્ડર છે. આ ગર્ડરનું વજન 970 મેટ્રિક ટન છે. જેની લંબાઈ 40 મીટર છે. જેમાં 390 ઘનમીટર કોંક્રિટ અને 42 મેટ્રિક ટન સ્ટીલનો ઉપયોગ કરાયો છે.

भारत के निर्माण उद्योग का सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर लॉन्च किया

बुलेट ट्रेन के लिए 970 मेट्रिक टन का गर्डर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सुरत. गुजरात में मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर परियोजना के लिए प्रथम फुल स्पैन 40 मीटर बॉक्स गर्डर के इरेक्शन का कार्य शुरू किया गया है। नवसारी जिले में एक कास्टिंग यार्ड में बुधवार को 40 मीटर स्पैन का पहला फुल स्पैन प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट (पीएससी) बॉक्स गर्डर रखा गया। इस दौरान नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन तथा भारत में जापान दूतावास के अधिकारी मौजूद रहे। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक सतीश अग्निहोत्री, भारत में जापान के दूतावास के आर्थिक और विकास मंत्री मियामोत शिंगो, जेआइसीए इंडिया कार्यालय के मुख्य प्रतिनिधि सैतो मित्सुनोरी, एलएंडटी निदेशक एस. वी. देसाई, एनएचएसआरसीएल परियोजना निदेशक राजेन्द्र प्रसाद की उपस्थिति

नवसारी में मुम्बई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर पर 40 मीटर बॉक्स गर्डर के इरेक्शन का कार्य शुरू



में 40 मीटर स्पैन का पहला फुल स्पैन प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट बॉक्स गर्डर लॉन्च किया गया। इसका वजन करीब 970 मेट्रिक टन है, इसमें 390 घनमीटर कंक्रीट और 42 मीट्रिक टन स्टील है। यह भारत के निर्माण उद्योग में आजतक का सबसे भारी पीएससी बॉक्स गर्डर है। मुम्बई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर

के लिए वायडक्ट के निर्माण में तेजी लाने के लिए एनएचएसआरसीएल फुल स्पैन लॉन्चिंग विधि अपनाई जा रही है। प्री-कास्ट गर्डर को स्ट्रैडल कैरियर द्वारा स्टैकिंग यार्ड से उठाया गया और निर्धारित स्थान ले जाया गया। इंजीनियरों की देखरेख में पियर्स पर प्री-कास्ट गर्डर लॉन्च किया गया। 40 मीटर फुल स्पैन गर्डर

बुलेट ट्रेन की खास बातें

अधिकारियों ने बताया कि मुम्बई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट (एमएचएसआर) 508 किमी लंबा है। इसमें गुजरात में 352 किमी (348 किमी) और दादरा-नगर हवेली में 4 किमी तथा शेष 156 किमी महाराष्ट्र राज्य में है। 352 किमी में से 343 किमी के लिए सिविल कार्यों के लिए करार कर लिए गए हैं। मैसर्स एलएंडटी के साथ 325 किमी लंबाई के लिए दो पैकेज यानी सी 4 (237 किमी) और सी 6 (88 किमी) का करार हुआ है।

को एमएचएसआर कॉरिडोर के चेनेज 238 पर पियर पी 11 और पी 12 के बीच रखा गया है।